

## आज बड़ो ही शुभ दिन आयो | By Savita Mundhra , Kavita Mundhra |

आज बड़ो ही शुभ दिन आयो,  
घर आँगन उत्सव छायायो।  
हनुमान जयंती आई,  
सब नाचे लोग लुगाई।  
आओ मिलकर झूमो नाचो,  
हर्ष मनाओ रे।  
बालाजी घर में आया,  
धूम मचाओ रे।

रत्न सिंहासन सोहे,  
थारे छत्र हजारों जी।  
माणक मोतियों से जड़्यो है,  
थारो मुकुट तिहारो जी।  
देखी जो सूरत थारी,  
खिल गई म्हारे मन की क्यारी।  
महिमा मैं गाऊँ थारी,  
और ज्योत जगाऊँ थारी।  
आओ मिलकर झूमो नाचो,  
हर्ष मनाओ रे।  
बालाजी घर में आया,  
धूम मचाओ रे।

लाल लंगोटा थारे,  
कानन में बाली जी।  
मुखड़ा चमके है जैसे,  
सूरज की लाली जी।  
दुनिया दर्शन को आवे,  
मंगल बधाई गावे।  
था पे वारा मैं लूँड राई,  
घर-घर में बाँटें बधाई।  
आओ मिलकर बालाजी की  
नजर उतारो हो,  
बालाजी झूले पालना  
डोर हिलाओ हो।

आज बड़ो ही शुभ दिन आयो,  
घर आँगन उत्सव छायायो।  
हनुमान जयंती आई,  
सब नाचे लोग लुगाई।  
आओ मिलकर झूमो नाचो,  
हर्ष मनाओ रे।  
बालाजी घर में आया,  
धूम मचाओ रे।

[%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a5%8b-by-savita-mundhra-kavita-mundhra/](#)